UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Instrumental-Tonal) 1st YEAR (MAMI-11)
एम0ए0 संगीत(स्वरवाद्य) प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15 May, 2012

Course Title: Sangeet Avam Saundaryashastra | **Course Code: M.A.M.I.-01**

कोर्स शीर्षक: संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र | **कोर्स कोड: एम0ए0एम0आई0–01**

Year: 2011-12 (Summer) | **Maximum Marks: 40**

सत्र : 2011–12 | **अधिकतम अंक : 40**

❖ खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

खण्ड़ –क

1. संगीत में रस, छन्द व लय के महत्व पर प्रकाश डालिए।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार सौन्दर्यशास्त्र पर चर्चा कीजिए।
3. भरत के अनुसार, संगीत की व्याख्या पर प्रकाश डालिए।
4. मध्य काल में लिखित ग्रन्थों की विवेचना कीजिए।
5. नाद को परिभाषित कीजिए एवं नाद के प्रकारों को भी समझाइये।
6. वैदिक काल में संगीत की स्थिति पर चर्चा कीजिए।
7. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :–
   ध्रुवपद, लय, श्रुति, ख्याल, स्वर, ठुमरी, ताल
8. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धतियों का विश्लेषण कीजिए।

❖ खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – ख

1. भारतीय संगीत वाद्यों के वर्गीकरण की सचित्र व्याख्या कीजिए।
2. ध्वनि से आप क्या समझतें हैं? ध्वनि भेदों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
3. आधुनिक काल में भारतीय शास्त्रीय संगीत में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए।
4. पाश्चात्य संगीत का परिचय देते हुए स्टाफ नोटेशन को सविस्तार समझाइये।